

Title: Need to develop Buxar in Bihar as a tourist place of national importance and conserve the historical monuments at the site.

श्री जगदानंद सिंह (बकसर): बकसर पौराणिक काल से राष्ट्रीय ज्ञान का केन्द्र रहा है। विष्वमित्र का आश्रम गुरुकुल के रूप में प्रसिद्ध रहा है जहाँ रथयं भगवान् श्री शम ने शिक्षा पाई थी। अत्याचार-अनाचार से संघातान् बकसर में ही शुद्ध हुआ था जिसका परिणाम अंत में लंका युद्ध रहा।

धर्म संरक्षित-ज्ञान के केन्द्र के रूप में रथापित बकसर का रथान वर्तमान में उपेक्षा का दंश झोल रहा है। जिन रथानों पर श्रमण एवं साधनों के द्वाया राजकुमार "शम" का व्यक्तित्व ऐसे ठांचे में ढला कि भारत राष्ट्र में भगवान् का दर्जा मिला वही रथान अपने वर्तमान में इतिहास को तलाश रहा है।

बकसर का इतिहास जब राष्ट्र के गर्व का विष्णुपद्म है तब इस रथान को संवारना तथ देश दुनिया में पर्यटन के मानवित्र पर लाना केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। आज भी बिहार राज्य का पश्चिमी सीमान्त इलाका माँ गंगा के किनारे अवस्थित बकसर, राज्य सरकार की तथा केन्द्र सरकार के कर्तव्यबोध का इंतजार कर रहा है।

श्री शम यदि भारत के रथापित संरक्षित की पहचान हैं तो बकसर भी राष्ट्र का एक सांरक्षितिक केन्द्र है। बकसर में केन्द्रीय सरकार के पर्यटन विभाग द्वाया साउंड एवं लाईट कार्यक्रम की रथापना की गई थी जो लंबे उपेक्षा के कारण समाप्त हो गया। बकसर इतिहास की धरोहर को ही नहीं संजोया है बल्कि वर्तमान में अनेकों पर्व एवं त्यौहारों पर लाखों की भीड़ इकट्ठा होकर संरक्षित को जीवंत बरकरार रखा है।



...(Interruptions)

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Where is the Minister?

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Sir, the hon. Minister is just coming. He is on his way. In the meanwhile, we may start any other speech which is on and then you may permit him to make the Statement....(Interruptions). He is just coming. He is on his way....(Interruptions)